License Information

Study Notes - Book Intros (Tyndale) (Hindi) is based on: Tyndale Open Study Notes, Tyndale House Publishers, 2019, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Study Notes - Book Intros (Tyndale)

रूत

रूत अपनी शोकित सास नाओमी के प्रति एक समर्पित बहू थीं। बोअज एक व्यस्त खेत का दयालु मालिक और नाओमी का करीबी रिश्तेदार था। इस कहानी में, हानि और वफादारी, एक घर वापसी, एक गुप्त मध्यरात्रि मिलन, संपत्ति का सार्वजनिक हस्तांतरण, एक विवाह और एक संतान है। रूत की पुस्तक साधारण लोगों के जीवन में परमेश्वर के प्रेम की कहानी बताती है।

पृष्ठभूमि

रूत की घटनाएं न्यायियों के काल के दौरान 1100 ई.पू. के आसपास हुईं। जहां न्यायियों की पुस्तक हिंसक और महत्वपूर्ण घटनाओं को अभिलेखित करती है, वहीं रूत उस समय के जीवन का एक शांत, साधारण पक्ष दिखाती है।

इस अवधि के दौरान, इस्राएल में कुछ राजनीतिक संरचनाएं थीं। आम व्यक्ति राष्ट्रीय पहचान की तुलना में गोत्रों और कुलों के संबंधों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता था। इस्राएल में अधिकांश परिवार भोजन और अन्य आवश्यकताओं के लिए अपनी फसलों और पशुओं पर निर्भर थे। इस्राएल का पहाड़ी देश उपजाऊ था, लेकिन जलापूर्ति अस्थिर थी, और एक दो वर्षों में कम वर्षा से अकाल पड़ सकता था।

रूत

सारांश

जब बैतलहम में अकाल पड़ा, एलीमेलेक अपनी पत्नी नाओमी और उनके दोनों बेटों के साथ मोआब आ गया, जिन्होंने मोआबी स्त्रियों से विवाह किया। मोआब में एलीमेलेक की मृत्यु हो गई, फिर वे जवान पुत्र भी मर गए, और नाओमी को बेसहारा छोड़ गए। यह सुनकर कि बैतलहम में अकाल समाप्त हो गया, नाओमी ने घर लौटने का निर्णय लिया। नाओमी की मोआबी बहुओं में से एक रूत ने नाओमी के प्रति अपनी वफ़ादारी घोषित की। वे दोनों एक साथ निकले और वसंत की जौ कटने के आरम्भ में बैतलहम पहुंचे। आने वाले वर्ष के लिए भोजन प्राप्त करने के लिए, बोअज के खेत से शुरू करते हुए, रूत बीनने के लिए निकल पड़ी। जब उसे पता चला कि वह कौन थी, तो बोअज ने अपने मज़दूरों को रूत के प्रति उदार रहने का निर्देश दिया।

बोअज की दयालुता के बारे में सुनकर नाओमी ने एक रात रूत को उससे अकेले में मिलने के लिए खलिहान में भेजा। रूत ने बोअज से अपने परिवार को छुड़ानेवाले के रूप में कार्य करने के लिए कहा - जिसमें उससे शादी करना भी शामिल था। बोअज को पता था कि एक करीबी रिश्तेदार को पारिवारिक छुड़ानेवाले के रूप में कार्य करने का पहला अधिकार था, लेकिन यदि उस व्यक्ति ने इनकार किया तो बोअज ने यह करने का वादा किया। वह इस बात का प्रबंध करने के लिए नगर के फाटक पर गया और दूसरे व्यक्ति ने अस्वीकार कर दिया। इसलिए बोअज ने रूत से विवाह किया, जिससे ओबेद नामक एक पुत्र उत्पन्न हुआ।

पोते के होने से नाओमी के वृद्धावस्था में सुरक्षा सुनिश्चित हुई और उसे वह वापस मिल गया जिसे नाओमी ने सोचा था कि वह हमेशा के लिए खो चुकी है। ओबेद इस्राएल के सबसे महान राजा दाऊद के दादा बनें। रूत की पुस्तक दस पीढ़ियों की वंशावली के साथ समाप्त होती है, जो यहूदा के पोते पेरेस से लेकर दाऊद तक है।

लेखकत्व और तिथि

कुछ बाइबिल के विद्वानों ने रूत की ऐतिहासिकता पर सवाल उठाये है और प्रस्तावित किया है कि यह काल्पनिक हो सकती है। लेकिन जैसे-जैसे बाइबिल के विद्वान प्राचीन इतिहास, प्राचीन लेखन शैलियों और प्राचीन निकट पूर्व में दैनिक जीवन के बारे में अधिक खोज करते हैं, हम आसानी से यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि रूत और इस्राएल के प्रारंभिक काल के अन्य लेख दृढ़ता से इतिहास पर आधारित हैं। हम नहीं जानते कि रूत को किसने लिखा है, और पुरातत्वविद शायद रूत, बोअज और नाओमी के प्रत्यक्ष भौतिक सबूत कभी प्राप्त न कर सकें लेकिन यह लेख अपने समय और स्थान को जिस तरह से दर्शाता है वह इसकी ऐतिहासिकता का समर्थन करता है।

रूत

अर्थ और संदेश

परमेश्वर आमतौर पर दैनिक जीवन की साधारण घटनाओं में काम करतें हैं। चमत्कार होते हैं, लेकिन परमेश्वर निरंतर नियमित घटनाओं के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करते हैं और अपने लोगों को आशीष देते हैं। यदि हम प्रत्येक दिन में विश्वासयोग्यता सीखते हैं, तो हम संकटों के आने पर विश्वासयोग्य रहने के लिए तैयार हो जाते हैं।

रूत में कई बोले गए आशीषें हैं। परमेश्वर के लोगों के पास एक दूसरे को परमेश्वर के नाम में आशीष देने का विशेषाधिकार है। हम अक्सर उन आशीषों को पूरा करने में मदद करते हैं, जैसे नाओमी और बोअज ने रूत को दिए गए आशीषों को पूरा किया।

नाओमी को लगा कि परमेश्वर ने उसे त्याग दिया है; लेकिन परमेश्वर ने नाओमी को नहीं त्यागा था, और पुस्तक के अंत तक नाओमी जान गई थी कि परमेश्वर ने उसे जितना उसने सपने में भी नहीं सोचा था उससे कहीं अधिक बहाल कर दिया था। परमेश्वर हमारे सबसे अंधकारमय समय में भरोसेमंद है।

परमेश्वर पर विश्वास में जोखिम लेने की इच्छा शामिल है। रूत का नाओमी के परमेश्वर का अनुसरण करने का संकल्प अत्यधिक अनिश्चितता के बीच लिया गया था। बोअज ने विश्वासयोग्यता और उदारता का जोखिम लिया, और उन्हें बहुतायत से पुरस्कृत किया गया।

दैनिक और साधारण कार्यों के अद्भुत अनन्त प्रभाव हो सकते है। रूत और बोअज को खेती, विवाह, संतान के जन्म और पालन-पोषण के कार्यों में दैनिक विश्वासयोग्यता के परिणामस्वरूप अनन्त आशीषें मिली, जो राजा दाऊद और उनके वंशज यीशु मसीह के माध्यम से बढ़ते रहे हैं।